आईआईएम रांची में इंडक्शन 2026

आइआइएम रांची में इंडक्शन 2026, लीडरशिप पर की चर्चा

क्षेत्रीय संवाददाता, रांची

लीडरशिप, निर्णय क्षमता, पर्सनल ब्रांडिंग और आत्म-जागरूकता जैसे विषयों पर रखी बात

आयोजित कार्यक्रम में सिनी गुप्ता .

आइआइएम रांची में एमबीए, एमबीए-एचआरएम, एमबीए-बीए और पीएचडी प्रोग्राम के नये बैच के लिए शुक्रवार को इंडक्शन-2026 का अंतिम दिन था. आखिरी दिन डिफेंस और करियर डेवलपमेंट के जाने-माने वक्ताओं ने लीडरशिप, निर्णय लेने की क्षमता, परिस्थितियों के अनुसार ढलने की क्षमता, जानकारी को मैनेज करने, पर्सनल ब्रांडिंग और आत्म-जागरूकता जैसे विषयों पर बात रखी.

पहला सत्र 23 इन्फैंट्री डिवीजन के जनरल ऑफिसर कमांडिंग, मेजर जनरल सज्जन सिंह मान ने लिया. उन्होंने छात्रों को अनिश्चितता के दौर में लीडरशिप विषय पर संबोधित किया. उन्होंने मिलिट्री करियर के अनुभवों को साझा किया. कहा कि लीडर्स को अक्सर ऐसी बदलती स्थितियों में महत्वपूर्ण निर्णय लेने पड़ते हैं, जहां पूरी जानकारी हमेशा उपलब्ध नहीं होती है. उन्होंने कहा कि लीडरशिप कोई जन्मजात गुण नहीं है, बल्कि यह लगातार सीखने, अनुभव और अभ्यास से विकसित होने वाला कौशल है. उन्होंने कहा कि लीडर्स में उद्देश्य की स्पष्टता, सहयोग करने की क्षमता, परिस्थितियों के अनुसार ढलने की क्षमता और जानकारी को प्रभावी ढंग से मैनेज करने की क्षमता होनी चाहिए. दूसरे सत्र में इमोशनल वेलनेस कोच और इक्यू एलीवेट की फाउंडर शिनी गुप्ता ने पर्सनल ब्रांडिंग के तीन मुख्य स्तंभों - पहचान, ताकत और क्षमताएं और प्रतिष्ठा पर प्रकाश डाला. समापन सत्र के दौरान, आइआइएम रांची की स्टूडेंट एंगेजमेंट एंड डेवलपमेंट कमेटी की चेयरपर्सन प्रो ज्योति वर्मा ने छात्रों से बातचीत की और उन्हें संस्थान के विभिन्न स्टूडेंट क्लबों और कमेटियों के बारे में जानकारी दी.

Prabhat Khabar - Date- 20.06.2026 - P.- 06

आईआईएम रांची के नए छात्रों को करियर ग्रोथ और ग्लोबल बिजनेस पर विशेषज्ञों ने दिए टिप्स

सिटी रिपोर्टर• आईआईएम रांची के इंडक्शन प्रोग्राम 2026 के चौथे दिन गुरुवार को एमबीए, एमबीए-एचआरएम, एमबीए-बीए और पीएचडी के नए छात्रों के लिए विभिन्न विशेषज्ञ सत्र आयोजित किए गए। एएमबीए एवं बीजीए की स्ट्रेटेजिक एंगेजमेंट मैनेजर शिखा टौंक ने अंतरराष्ट्रीय एक्रेडिटेशन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को शुरु से ही नेतृत्व क्षमता और प्रोफेशनल सोच विकसित करने की सलाह दी। उन्होंने संस्थान की प्रतिष्ठा बढ़ाने में छात्रों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। एचएसबीसी एसेट मैनेजमेंट के डायरेक्टर नीलोत्पल सहाय ने करियर विकास, निर्णय लेने की क्षमता और जीवनभर सीखते रहने के महत्व पर अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम में प्रो. ज्योति वर्मा ने एंटी-रैगिंग नीति और प्रो. श्वेता झा ने पॉश अधिनियम की जानकारी दी।

Dainik Bhaskar_19.06.2026_P. 4

आइआइएम रांची में एआइ, नेतृत्व और वैश्विक अवसरों पर मंथन

रांची . आइआइएम रांची के इंडक्शन कार्यक्रम के तीसरे दिन बुधवार को एमबीए, एमबीए-एचआरएम, एमबीए-बिजनेस एनालिटिक्स और पीएचडी के नये विद्यार्थियों के लिए कई सत्र आयोजित किये गये. कार्यक्रम में शिक्षा, प्रौद्योगिकी और उद्योग जगत के विशेषज्ञों ने छात्रों को भविष्य के प्रबंधन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) और वैश्विक अवसरों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी

दी. अमेरिका की जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी की वरिष्ठ एसोसिएट डीन प्रो सुदिप्ता दासमोहापात्रा ने एआइ आधारित दुनिया में प्रबंधन शिक्षा और नेतृत्व की बदलती भूमिका पर चर्चा की. उन्होंने कहा कि भविष्य के प्रबंधकों को तकनीकी ज्ञान के साथ संवाद, सहयोग, निर्णय क्षमता और नैतिक नेतृत्व जैसे मानवीय कौशल भी विकसित करने होंगे. इसके बाद बाल्मर लॉरी एंड कंपनी लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक अधिप नाथ पालचौधुरी ने छात्रों से संवाद किया. प्रो नीलू ने भी अहम जानकारी दी.

Prabhat Khabar_18.06.2026_P. 7

विद्यार्थियों को लगातार सीखते रहने पर दिया जोर

अतिथि का स्वागत करते आयोजक ● स्वयं

सम्मान प्राप्त करते अतिथि ● सौ. स्वयं

जासं, रांची : आइआइएम रांची के इंडक्शन 2026 का तीसरा दिन एमबीए, एमबीए-एचआरएम, एमबीए-बीए और पीएचडी प्रोग्राम के नए बैच के लिए आयोजित सत्रों के साथ आगे बढ़ा। इन सत्रों में एकेडेमिया, टेक्नोलाजी और इंडस्ट्री के वक्ताओं के साथ दिलचस्प बातचीत हुई। छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और बिजनेस एनालिटिक्स के भविष्य के साथ-साथ इंडस्ट्रियल पैकेजिंग, मैन्युफैक्चरिंग, लाजिस्टिक्स, इंफ्रास्ट्रक्चर और एंड-टू-एंड ट्रैवल सर्विस जैसे क्षेत्रों में उभरते ट्रेंड्स के बारे में जानकारी मिली।

जार्जटाउन यूनिवर्सिटी, यूएसए की सीनियर एसोसिएट डीन प्रो. सुदीप्त दास मोहपात्रा ने नए छात्रों को एआइ-संचालित दुनिया में मैनेजमेंट एजुकेशन और लीडरशिप के बदलते स्वरूप के बारे में संबोधित किया। उन्होंने परिस्थितियों के अनुसार ढलने की क्षमता, लगातार सीखते रहने और नैतिक निर्णय लेने पर जोर दिया। बाल्मर लारी एंड कंपनी लिमिटेड के चेयरमैन अधिप्नाथ पाल चौधरी ने स्टूडेंट्स के साथ एक इंटरैक्टिव सेशन किया, जिसमें उन्होंने अपने प्रोफेशनल अनुभव साझा किए। प्रो. नीलू ने स्टूडेंट्स को इंटरनेशनल लेवल पर काम करने की पहल और स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम (स्टेप) के बारे में जानकारी दी। इस सेशन ने स्टूडेंट्स को ग्लोबल लेवल पर अनुभव पाने के अवसरों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

Dainik Jagran_18.06.2026_P. 6

एआई, वैश्विक अवसरों और नेतृत्व कौशल पर विशेषज्ञों ने दिए सुझाव

सिटी रिपोर्टर • रांची

आईआईएम रांची के इंडक्शन कार्यक्रम 2026 के तीसरे दिन बुधवार को एमबीए, एमबीए-एचआरएम, एमबीए-बीए और पीएचडी के नए विद्यार्थियों के लिए विभिन्न विशेषज्ञ सत्र आयोजित किए गए। कार्यक्रम में प्रबंधन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), बिजनेस एनालिटिक्स, नेतृत्व विकास और अंतरराष्ट्रीय अवसरों पर विस्तार से चर्चा हुई। अमेरिका की जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी की सीनियर एसोसिएट डीन प्रो. सुदीप्ता दासमहापात्रा ने कहा कि एआई आधारित बदलती दुनिया में सफल प्रबंधक बनने के लिए तकनीकी ज्ञान के साथ संवाद, सहयोग, वार्ता कौशल और नैतिक नेतृत्व भी जरूरी है। उन्होंने छात्रों को निरंतर सीखने, डेटा आधारित निर्णय लेने और जिम्मेदार नेतृत्व विकसित करने की सलाह दी।

इसके बाद बाल्मर लॉरी एंड कंपनी लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अधिप नाथ पालचौधरी ने अपने पेशेवर अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि सफलता

और चुनौतियों का सकारात्मक तरीके से सामना करना आवश्यक है। उन्होंने छात्रों को मजबूत पेशेवर नेटवर्क बनाने और नए अवसरों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। सत्र के दौरान आईआईएम रांची की अंतरराष्ट्रीय संबंध अध्यक्ष प्रो. नीलू ने स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम और अंतरराष्ट्रीय साझेदार संस्थानों की जानकारी दी। उन्होंने छात्रों को वैश्विक अनुभव हासिल करने और अंतरराष्ट्रीय गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने विशेषज्ञों से करियर, नेतृत्व और वैश्विक अवसरों से जुड़े कई सवाल भी पूछे।

Dainik Bhaskar_18.06.2026_P. 4

आईआईएम में नवप्रवेशी छात्रों के लिए विशेष सत्र

रांची। आईआईएम रांची में बुधवार को एमबीए व पीएचडी के नवप्रवेशी विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक सत्र आयोजित हुए। मुख्य वक्ता जॉर्जटाउन विवि की प्रो. सुदीप्ता दासमहापात्रा ने भविष्य के नेतृत्व के लिए एआई साक्षरता, डेटा-आधारित निर्णय व नैतिक नेतृत्व पर जोर दिया। बाल्मर लॉरी के सीएमडी अधिप नाथ पालचौधुरी ने छात्रों को निरंतर सीखने और मजबूत पेशेवर नेटवर्क बनाने के लिए प्रेरित किया।

Hindustan_18.06.2026_P. 11